



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 423]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 28, 2008/अग्रहायण 7, 1930

No. 423]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 28, 2008/AGRAHAYANA 7, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 2008

विषय : चीन जन. गण., इंडोनेशिया, ईरान, जापान, कजाकिस्तान, मलेशिया, फिलिपींस, रोमानिया, रूस, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, कोरिया आर.ओ.के., थाइलैंड, तुर्की एवं यूक्रेन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित हॉट रोल्ड स्टील उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत।

सं. 14/23/2008-डीजीएडी.—मै. एस्सार स्टील्स लि., इस्पात इंडस्ट्रीज लि. एवं जे. एस. डब्ल्यू स्टील लि. ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष चीन जन. गण., इंडोनेशिया, ईरान, जापान, कजाकिस्तान, मलेशिया, फिलिपींस, रोमानिया, रूस, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, कोरिया आर.ओ.के., थाइलैंड, तुर्की एवं यूक्रेन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित हॉट रोल्ड क्वाइलों, हॉट रोल्ड चद्दरों, हॉट रोल्ड प्लैटों, हॉट रोल्ड पट्टियों अथवा 20 मि.मी. से अनधिक मोटाई तथा 600 मि.मी. अथवा इससे अधिक चौड़ाई वाली लोहे अथवा नॉन एलॉय स्टील के किसी भी अन्य हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध वस्तुएं कहा गया है), जो अध्याय 7208 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं, के कथित पाटन के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

और यह: प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति एवं वास्तविक क्षति के खतरे (जिसे एतदपश्चात "क्षति" कहा गया है) एवं पाटन तथा "क्षति" के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद है, अतः प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसरण में कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की वह राशि संस्तुत करने, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, कथित पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई "क्षति" के संबंध में एतद्वारा जांच शुरू करते हैं।

घरेलू उद्योग

2. यह आवेदन मै. एस्सार स्टील्स लि., इस्पात इंडस्ट्रीज सि. एव जे. एस. डब्ल्यू स्टील लि. द्वारा घरेलू उद्योग (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) की ओर से प्रस्तुत किया गया है। उपलब्ध सामग्र्य के अनुसार नियम 2(ख) के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग हैं और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 (3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का "अधिकार" है।

5(3)(क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का “अधिकार” है।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद अध्याय 7208 के अंतर्गत वर्गीकृत हॉट रोल्ड क्वाइलें, हॉट रोल्ड चबरें, हॉट रोल्ड स्लेटें, हॉट रोल्ड पटिट्याँ अथवा अथवा लोहे अथवा नॉन एल्यॉय स्टील से बनी 20 मि.मी. से अनधिक मोटाई तथा 600 मि.मी. अथवा इससे अधिक चौड़ाई वाले कोई अन्य हॉट रोल्ड उत्पाद हैं। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन एवं बिक्री अनेक ग्रेडों एवं मोटाइयों में की जाती है। सभी ग्रेड तथा मोटाइयाँ विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर हैं।

4. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क वर्गीकरण 7208 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

समान उत्पाद

5. आवेदकों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं एवं संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है। आवेदकों के अनुसार भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुएँ भौतिक एवं रासायनिक/यांत्रिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में परस्पर तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं तथा उपभोक्ताओं द्वारा इनका प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है। अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण., इंडोनेशिया, ईरान, जापान, कजाकिस्तान, मलेशिया, फिलिपींस, रोमानिया, रूस, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, कोरिया आर.ओ.के., थाइलैंड, तुर्की एवं यूक्रेन हैं।

सामान्य मूल्य

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदकों ने यह अनुरोध किया है कि चीन जन. गण., कजाकिस्तान तथा यूक्रेन को नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसरण में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश माना जाए। इन देशों के लिए सामान्य मूल्य को चीनी ताइपेई में उत्पादन लागत, जिसका उल्लेख “वर्ल्ड स्टील डायनामिक्स” में किया गया है, के आधार पर संरचित (बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ जोड़ने के बाद) किया गया है, जिसमें चीनी ताइपेई को नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसरण में चीन जन. गण., कजाकिस्तान तथा यूक्रेन के लिए सहोदर देश माना गया है। इंडोनेशिया, ईरान, जापान, मलेशिया, फिलिपींस, रोमानिया, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, कोरिया आरओके तथा थाइलैंड के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक देशों के उत्पादकों की उत्पादन लागत, जिसका उल्लेख “वर्ल्ड स्टील

डायनामिक्स, 2008 ” में किया गया है, के आधार पर किया गया है । रूस एवं तुर्की के लिए सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर संरचित किया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रत्येक संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्यों के बारे में प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं ।

निर्यात कीमत

8. निर्यात कीमत का दावा इंटरनेशनल बिजनेस इन्फॉर्मेशन सर्विसेज द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है । समुद्री मालभाड़े, कमीशन आदि पर किए गए व्यय को घटाने के बाद कारखाना द्वारा पर निवल निर्यात कीमत का भी निर्धारण किया गया है । प्रत्येक संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है । क्षति के खतरे के संबंध में आवेदकों ने निर्यात कीमतों की सूचना प्रदान की है, जो संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातिकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति हेतु की जा रही पेशकश पर आधारित है । देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए आवेदक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमतों के बारे में पर्याप्त साक्ष्य हैं ।

पाटन मार्जिन

9. पाटन मार्जिन का निर्धारण भारित औसत दर भारित औसत विधि के आधार पर किया गया है । आवेदकों ने अनुरोध किया है कि विभिन्न अवधियों के दौरान निर्यात कीमतों के पैटर्न में आए उल्लेखनीय अन्तर को देखते हुए भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना अलग-अलग निर्यात सौदों से की जानी चाहिए । आवेदकों ने दावा किया है कि यद्यपि सामान्य मूल्य का पैटर्न स्थिर रहा है तथापि विभिन्न अवधियों के दौरान निर्यात कीमतों में उल्लेखनीय भिन्नता आई है और ऐसी भिन्नताओं पर भारित औसत-दर-भारित औसत तुलना की विधि के प्रयोग में उचित ध्यान नहीं दिया जा सकता । पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में अलग-अलग निर्यात सौदों की तुलना हेतु भारित औसत सामान्य मूल्य का प्रयोग करने के बारे में आवेदकों द्वारा किए गए अनुरोध पर हितबद्ध पक्ष अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं ।

10. इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमतों से काफी अधिक है, जो प्रथम दृष्ट्या यह इंगित करता है कि संबद्ध देशों से निर्यातिकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है ।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

11. आवेदकों ने “ क्षति ” से संबंधित साक्ष्य को बाजार हिस्से से आई वास्तविक एवं संभावित गिरावट, कीमत कटौती, बिक्री में गिरावट, कथित पाटन के परिणामस्वरूप मालसूचियों में हुई वृद्धि के रूप में प्रस्तुत किया है । आवेदकों ने वास्तविक क्षति के खतरे का दावा घरेलू कीमतों एवं आयात कीमतों (वर्तमान में आपूर्तियों हेतु की जा रही पेशकश इसका साक्ष्य है) के बीच अत्यधिक अंतर, विदेशी उत्पादकों द्वारा उत्पादन में की गई वर्तमान एवं प्रत्याशित कटौतियों के आधार पर किया है । संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हो रही “ क्षति ” का प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त प्रमाण है ।

जांच अवधि (पीओआई)

12 वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) दिनांक 1.4.2007 से 30.09.2008 है । तथापि क्षति की जांच की अवधि में अप्रैल, 2004-मार्च, 2005; अप्रैल, 2005-मार्च, 2006; अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 और जांच अवधि (पीओआई) को शामिल किया जाएगा । क्षति के खतरे के लिए जांच अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों की भी जांच की जाएगी ।

सूचना प्रस्तुत करना

13 संबद्ध देशों के निर्धातकों, संबद्ध देशों की सरकारों को उनके भारत स्थित दूतावासों के माध्यम से तथा इस उत्पाद के ज्ञात आयातकों व प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रारूप तथा तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अवगत कराने हेतु अलग से पत्र भेजे गए हैं । वर्तमान जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार भी निम्नलिखित को लिख सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
कमरा नं. 240, उद्योग भवन
नई दिल्ली-110107

समय सीमा

14 वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना तथा सुनवाई संबंधी अनुरोध इस प्रकार भिजवाया जाए, ताकि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख चालीस (40) दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राप्त हो जाए । यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी, उपर्युक्त नियमावली के अनुसरण में, रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं ।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

15. नियम 7 के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों से अपेक्षित है कि वे प्राधिकारी को प्रदत्त गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करें और यदि ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश नहीं बनाया जा सकता हो, तो उसके कारणों का विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है ।

भूतलक्षी आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाना

16. आवेदकों ने भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध इस आधार पर किया है कि पाटन करने का इतिहास रहा है और प्राधिकारी द्वारा पहले अधिसूचित जांच परिणामों से यह सिद्ध भी हो

चुका है; निर्यातक यह जानते हैं कि वे पाटन कर रहे हैं; आयातक भी यह जानते हैं अथवा अवगत रहे होंगे कि निर्यातक पाटन कर रहे हैं; निर्यात कीमतों में, अपेक्षाकृत लघु अवधि में ही भारी गिरावट आई है; घरेलू कीमतों और आयातित उत्पाद की कीमतों के बीच अंतर अत्यधिक है। प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी यह मानते हैं कि भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने का औचित्य सिद्ध करने के लिए प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं। हितबद्ध पक्षकार इस संबंध में अपना निवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

17. नियम 6 के अनुसरण में कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

18. ऐसे मामले में, जहाँ कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से मना करता है अथवा अन्यथा उचित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं करता अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं, जिन्हें वे उपयुक्त समझते हों।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 28th November, 2008

Subject: Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Hot Rolled Steel Products originating in or exported from China PR, Indonesia, Iran, Japan, Kazakhstan, Malaysia, Philippines, Romania, Russia, South Africa, Saudi Arabia, Korea ROK, Thailand, Turkey and Ukraine

No. 14/23/2008-DGAD.—M/s Essar Steels Limited, Ispat Industries Limited, and JSW Steel Limited have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Hot Rolled Coils, Hot Rolled Sheets, Hot Rolled Plates, Hot Rolled Strips or any other hot rolled flat products of iron or non-alloy steel of a thickness not exceeding 20 mm and of a width of 600mm or more, not clad, plated or coated, classified under Chapter 7208 (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR, Indonesia, Iran, Japan, Kazakhstan, Malaysia, Philippines, Romania, Russia, South Africa, Saudi Arabia, Korea ROK, Thailand, Turkey and Ukraine (hereinafter referred to as subject countries).

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of subject goods by the subject countries, injury and threat of material injury (hereinafter referred to as 'injury') to the domestic industry and causal links

between the dumping and 'injury' exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent 'injury' to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.

Domestic Industry

2. Application has been filed by M/s Essar Steels Limited, Ispat Industries Limited, and JSW Steel Limited on behalf of the domestic industry (hereinafter referred to as applicants). As per the evidence available, applicants constitute domestic industry as per Rule 2(b) and have the 'standing' to file the application for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Product Under Consideration

3. The product under consideration Hot Rolled Coils, Hot Rolled Sheets, Hot Rolled Plates, Hot Rolled Strips or any other hot rolled flat products of iron or non-alloy steel of a thickness not exceeding 20 mm and of a width of 600mm or more, not clad, plated or coated, classified under Chapter 7208. The product under consideration is produced and sold in a large number of grades and thickness. All grades and thickness are within the scope of the product under consideration.

4. The product under consideration is classified under Customs Classification 7208.

Like Articles

5. Applicants have claimed that there is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and the subject goods exported from subject countries. According to the applicants, the subject goods produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical/mechanical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and consumers have used the two interchangeably. Therefore, for the purpose of investigation, the subject goods produced by the applicant companies is being treated as like article to the subject goods imported from the subject countries within the meaning of Rule 2(d) of the Rules.

Countries involved

6. The countries involved in the present investigation are China PR, Indonesia, Iran, Japan, Kazakhstan, Malaysia, Philippines, Romania, Russia, South Africa, Saudi Arabia, Korea ROK, Thailand, Turkey and Ukraine.

Normal value

7. The Authority notes that the applicants have requested that China PR, Kazakhstan and Ukraine be treated as non-market economy in accordance with para 8(2) of Annexure-1 of the Rules. Normal values for these countries have been constructed on the basis of cost of production in Chinese Taipei as reported in 'World Steel Dynamics' (after addition of selling, general & administrative expenses and profit), by considering Chinese Taipei as surrogate country for China PR, Kazakhstan and Ukraine in accordance with Para 7 of Annex-I of Rules. Normal value in case of Indonesia, Iran, Japan, Malaysia, Philippines, Romania, South Africa, Saudi Arabia, Korea ROK and Thailand have been determined on the basis of cost of production of producers in the exporting countries, as reported by 'World Steel Dynamics', 2008. For Russia and Turkey, the normal value has been constructed on the basis of cost of production of the domestic industry. The Authority notes that there is sufficient *prima facie* evidence of normal values of the subject goods in each of the subject countries.

Export Price

8. The export prices have been claimed on the basis of data provided by International Business Information Services. Net export price at ex-factory level has also been determined after deducting expenses on account of ocean freight, commission, etc. There is sufficient *prima facie* evidence of export price of the subject goods in each of the subject countries. For threat of injury, the applicants have provided export prices on the basis of the offers that are being made by the producers/exporters in the subject countries for supply of the subject goods. There is sufficient evidence of export prices claimed by the applicant for the subject goods from the subject countries.

Dumping margin

9. The dumping margin has been determined on the basis of weighted average to weighted average methodology. Applicants have requested that the weighted average normal value should be compared with individual export transactions in view of significant difference in the pattern of export prices among different time periods. Applicants have claimed that whereas the pattern of normal value has remained quite static, the export prices have moved very significantly among different time periods, and such differences cannot be taken into account appropriately by the use of a weighted average-to-weighted average comparison methodology. The interested parties may offer their comments on the request of the applicants for using weighted average normal value to individual export transactions comparison for determination of dumping margin.

10. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in subject countries are significantly higher than net export prices, *prima-facie* indicating that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

Injury and Causal Link

11. The applicants have furnished evidence regarding the 'injury' in the form of actual and potential fall in market share, price undercutting, decline in sale, rise in inventories as a result of the alleged dumping. The applicants have claimed

threat of material injury on the grounds of too significant price difference between the domestic prices and import prices (as evidenced by the offers for supplies being made at present), current and anticipated production cuts by the Foreign Producers. There is sufficient *prima-facie* evidence of the 'injury' being suffered by the domestic industry caused by dumped imports from subject countries.

Period of investigation

12. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April 2007 to 30th September 2008. The injury investigation period will however cover the periods April 2004-March 2005, April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, the Period of Investigation (POI). For threat of injury, the data beyond the POI would also be examined.

Submission of information

13. The exporters in the subject countries and their Government through their Embassies in India, importers and users in India known to be concerned, domestic industry and other Indian Producers are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce
Room No.240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110107.

Time limit

14. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

Submission of Information on Non-Confidential basis

15. In terms of Rule 7, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided.

Imposition of anti dumping duty on retrospective basis

16. The applicants have requested for retrospective imposition of duty on the grounds that there is history of dumping and the same has been established by the final findings earlier notified by the Authority; the exporters are well aware that they are resorting to dumping; importers are, or should have been, well aware that exporters are practicing dumping; there is massive decline in export prices in a relatively short time; the price difference between the domestic prices and imported product prices is unprecedented. On the basis of evidence submitted, the Authority considers that there is *prima facie* evidence justifying retrospective imposition of anti dumping duties. The interested parties may make their submissions in this regard.

Inspection Of Public File

17. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

18. In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority

4724 GI/08-3